IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

राजस्थान में कोविड–19 महामारी के दौरान एमएसएमई में महिला उद्यमियों की स्थिति

अक्षय कुलहरि, शोधार्थी, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनू
डॉ. शिवकुमार, सहायक आचार्य, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनू

साराशं

विगत पांच वर्षों में, महिला उद्यमियों की भागीदारी में वृद्धि के साथ–साथ स्टार्ट–अप की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इस शोधपत्र का उद्देश्य राजस्थान में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में महिला उद्यमियों की स्थिति पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव की जांच करना है। प्राथमिक ध्यान इस बात पर है कि महामारी ने महिला उद्यमियों को उनके पुरुष समकक्षों के संबंध में कैसे प्रभावित किया है। एमएसएमई मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट, पत्रिकाओं और प्रकाशित लेखों जैसे विविध स्रोतों से निकाले गए द्वितीयक डेटा का उपयोग करते हुए, यह अध्ययन अपने उद्देश्यों को व्यापक रूप से संबोधित करता है। निष्कर्ष इस बात को रेखांकित करते हैं कि महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को पुरुषों के नेतृत्व वाले व्यवसायों की तुलना में बंद होने और निष्क्रियता की लंबी अवधि तक बने रहने की अधिक संभावना का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, महिला उद्यमियों ने भविष्य के बारे में अधिक निराशावादी दृष्टिकोण व्यक्त किया है। अध्ययन राज्य स्तर पर महिला उद्यमियों के परिदृश्य में उल्लेखनीय विविधताओं को भी प्रकट करता है।

कीवर्ड:–कोविड–19, महामारी का प्रभाव, महिला उद्यमी, एमएसएमई

परिचय

कोरोना वायरस रोग 2019 से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। बीड़ी बनाने, अचार, पापड़ बनाने, डिटर्जेंट, धूपबत्ती और मोमबत्ती बनाने जैसे छोटे उद्यमों में लगी महिलाओं को अपर्याप्त खरीद और ऑर्डर के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनके व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अप्रैल 2021 तक, यूएन वूमेन ने अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत ग्रामीण राजस्थान की महिलाओं में 80 प्रतिशत नौकरी छूटने की दर की सूचना दी। लॉकडाउन के कारण महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को पुरुषों के स्वामित्व वाले उद्यमों की तुलना में बहुत अधिक नुकसान हुआ। नौकरी छूटने में लैंगिक असमानता आपूर्ति और मांग दोनों कारकों से उत्पन्न हो सकती है। आपूर्ति पक्ष पर, घरेलू जिम्मेदारियों में वृद्धि, सीमित चाइल्डकैअर विकल्प और स्कूल बंद होने से कई महिलाओं को घर पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे वे देखभाल और अवैतनिक गतिविधियों के लिए अधिक समय समर्पित कर रही हैं, मांग–पक्ष कारक, जैसे कि उन उद्योगों पर प्रभाव जहां महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व है और रोजगार व्यवस्था में बदलाव, संभवतः महिला श्रमिकों के लिए अधिक गंभीर परिणामों में योगदान करते हैं। (अब्राहम, बेसल और सीजर 2021)। अप्रैल 2020 में, महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में रोजगार में अधिक गिरावट का अनुभव किया। अप्रैल 2020 के रोजगार का मार्च 2019 से मार्च 2020 तक के औसत रोजगार से अनुपात महिलाओं के लिए 61 प्रतिशत था, जबकि पुरुषों के लिए यह 71 प्रतिशत था, जो लॉकडाउन के बाद महिलाओं के रोजगार के स्तर में अधिक सापेक्ष कमी का संकेत देता है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

छठी आर्थिक जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 8 मिलियन से अधिक उद्यमों या कुल इकाइयों का लगभग 13 प्रतिशत महिला उद्यमी हैं। राजस्थान की कृषि श्रम शक्ति का 42 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, महिलाओं के पास केवल 2 प्रतिशत कृषि भूमि है। लगभग 432 मिलियन कामकाजी उम्र की महिलाओं में से, लगभग 343 मिलियन भुगतान वाले औपचारिक काम में नहीं लगी हैं। उनमें से, अनुमानित 324 मिलियन श्रम बल का हिस्सा नहीं हैं, जबकि 19 मिलियन श्रम बल में हैं, लेकिन बेरोजगार हैं। राजस्थान की कामकाजी आयु की आबादी 2030 तक 1 बिलियन से अधिक होने का अनुमान है, देश को 400 मिलियन महिलाओं की आर्थिक क्षमता की उपेक्षा करने का जोखिम है (बैन 2019)।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा 2020 के एक अध्ययन के अनुसार, शहरी स्वरोजगार उद्यम गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। महिलाओं, विशेष रूप से व्यापार, सेवा और अनौपचारिक क्षेत्रों में, लॉकडाउन के दौरान अधिक प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ा। निष्कर्ष बताते हैं कि कोविड–19 ने पुरुषों की तुलना में महिलाओं, शहरी आबादी की तुलना में ग्रामीण और प्रवासी और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को असमान रूप से प्रभावित किया है, खासकर राजस्थान में। (मिंट, 2020)। सर्वेक्षण में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म और लघु व्यवसायों को पुरुषों के नेतृत्व वाले व्यवसायों की तुलना में कम मार्जिन वाले बाजारों में उनकी उपस्थिति और बढ़ी हुई भेद्यता को देखते हुए अधिक जोखिम का सामना करना पड़ता है।

पिछले एक दशक में, महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों के अनुपात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्थान में कई अन्य देशों की तुलना में महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों का प्रतिशत अधिक है। यह अध्ययन एमएसएमई क्षेत्र में महिला उद्यमियों पर कोविड–19 के प्रभाव की जांच करता है, और महामारी के बाद उनकी स्थिति का आकलन करता है।

साहित्य समीक्षा

वेंडेटा एवं अन्य (2022) ने अपने शोध पत्र में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने में एमएसएमई की भूमिका की जांच की। 200 महिलाओं का सर्वेक्षण में उन्होंने छोटे व्यवसायों के लाभों, गलत धारणाओं, अवसरों और चुनौतियों का पता लगाया। अध्ययन का उद्देश्य महिला उद्यमियों पर शोध अंतर को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण में उद्यमिता के योगदान को उजागर करना था। निष्कर्ष आर्थिक स्वतंत्रता और लैंगिक समानता के लिए महिला उद्यमियों की एक लीग बनाने के महत्व को रेखांकित करते हैं। अध्ययन महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे कौशल की कमी और नेटवर्क की कमी को भी इंगित करता है, और व्यवसाय में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में सरकार की भूमिका को स्वीकार करता है। डेटा विश्लेषण के लिए प्रतिशत विश्लेषण और एनोवा जैसे सांख्यिकीय तरीकों का इस्तेमाल किया गया।

रेटिना और साल्वे (2022) ने अपने शोधपत्र "राजस्थान में महिला उद्यमियों पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव की खोज" में, अध्ययन महिला उद्यमियों पर महामारी के नतीजों से संबंधित पिछले शोध का विस्तार करता है, जिसमें राजस्थान में सूक्ष्म व्यवसाय क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। अर्ध–संरचित साक्षात्कार और फोकस समूह चर्चाओं को शामिल करते हुए एक गुणात्मक शोध डिजाइन के माध्यम से, अध्ययन राजस्थान में महिला उद्यमियों पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव की जाँच करता है। यह इन उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों को बारीकी से रेखांकित करता है, जिसमें लॉकडाउन के दौरान कम व्यावसायिक बिक्री, घरेलू आय, जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र शामिल हैं। निष्कर्ष संकट के समय व्यवसाय के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए रचनात्मकता और डिजिटलीकरण की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।कुल मिलाकर, शोध में मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकट के बीच महिला उद्यमियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को समझने और उनका समाधान करने के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित किया गया है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

कुमार और सिंह (2021) ने अपने शोधपत्र में कोविड–19 के दौरान महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों की जाँच की गई है, जिसमें साक्षात्कार और नीति दस्तावेज विश्लेषण सहित मिश्रित–पद्धति दृष्टिकोण का उपयोग किया गया है। यह बाजार तक पहुँच, वित्तीय सहायता और पारिवारिक समर्थन में लिंग–आधारित बाधाओं को उजागर करता है, जिसमें महिलाओं के स्वामित्व वाले स्टार्ट–अप में बाधा के रूप में पुरुष वर्चस्व का हवाला दिया गया है। लिंग–विशिष्ट नीति पहलों की वकालत करते हुए, यह परिवार, समाज, बाजार और राज्य संस्थानों में पितृसत्तात्मक बाधाओं को पहचानता है। शोध में सशक्तिकरण और आर्थिक विकास में महिला उद्यमिता की भूमिका पर जोर दिया गया है, जिसमें जीडीपी वृद्धि के लिए लैंगिक असमानता को दूर करने की आवश्यकता पर ध्यान दिया गया है। अध्ययन महिला उद्यमियों को समर्थन देने में सरकारी प्रयासों को स्वीकार करता है लेकिन उनके लिए विशिष्ट प्रावधानों की आवश्यकता पर बल देता है।

अफगान एवं अन्य (2021) ने अपने शोधपत्र, कोविड–19 के बीच महिला उद्यमियों के सीखने के अनुभव, में कोविड–19 महामारी द्वारा लाए गए अप्रत्याशित संकटों पर प्रकाश डाला, जिसने सामान्य जीवन और व्यापार परिदृश्य दोनों को औसत व्यक्ति के लिए अकल्पनीय तरीकों से बाधित किया। गुणात्मक साक्षात्कार डिजाइन का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने महामारी से जूझ रहे राजस्थान के उद्यमियों के जीवित अनुभवों और अंतर्दृष्टि का पता लगाया। साक्षात्कारकर्ताओं ने अपने व्यवसायों पर कोविड–19 के प्रभाव और संकट के जवाब में उनके द्वारा उठाए गए उद्यमशील कार्यों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। अध्ययन के निष्कर्ष कोविड–19 अनुभव के दौरान महिला उद्यमियों के अनुकूली सीखने से उत्पन्न नए ज्ञान के भंडार को उजागर करते हैं। उल्लेखनीय रूप से, पारंपरिक मैनुअल व्यापार आदान–प्रदान और वित्तीय लेन–देन से आभासी और ऑनलाइन तरीकों में बदलाव आया, जो अभिनव सीखने के समवर्ती आलिंगन को दर्शाता है। विश्लेषण महिला उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों, उनके द्वारा अपनाई गई रणनीतियों और उनके अनुभवों से प्राप्त मूल्यवान सबक को और स्पष्ट करता है।

मारिया डॉस एवं अन्य (2020) ने अपने शोधपत्र, दीन डिगुल जिले में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में महिला उद्यमियों की भूमिका, में दीन डिगुल के एमएसएमई क्षेत्र में 200 महिला उद्यमियों का सर्वेक्षण किया। परिणामस्वरूप, उन्होंने पाया कि ये महिलाएँ जो मुख्य रूप से 35–45 वर्ष की हैं और अधिकतर विवाहित हैं, अक्सर कम कौशल स्तर और अपर्याप्त नेटवर्क के कारण चुनौतियों का सामना करती हैं, जो गृहिणी से सफल व्यवसायी बनने की उनकी प्रगति में बाधा डालती हैं। इसके अलावा, अध्ययन से उद्यमियों के बीच एक विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि का पता चला, जिनमें से अधिकांश ने प्राथमिक स्कूली शिक्षा पूरी कर ली है और कुछ के पास डिग्री है। आय का स्तर आम तौर पर 1,00,000 रुपये से लेकर 2,00,000 रुपये तक था, और उनका व्यावसायिक अनुभव अलग–अलग था, जिनमें से काफी संख्या में 4–6 साल का अनुभव था। व्यवसाय इक्विटी और रोजगार में उनकी भूमिका के आधार पर महिला उद्यमियों को सरकार द्वारा मान्यता देना, अर्थव्यवस्था में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करता है।

रानी (2020) ने अपने शोधपत्र राजस्थान में महिला उद्यमिता का अन्वेषणात्मक अध्ययन में लघु उद्योगों में महिलाओं की भूमिका और चुनौतियों की जांच की। अध्ययन का उद्देश्य महिला उद्यमियों की स्थिति का मूल्यांकन करना, महिलाओं की उद्यमिता के लिए प्रेरक कारकों की पहचान करना और उनके सामने आने वाली बाधाओं का आकलन करना था। मुख्य निष्कर्ष राष्ट्रों में आर्थिक विकास में महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों के महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करते हैं। अपर्याप्त शिक्षा और संसाधनों की कमी जैसी सामाजिक बाधाओं के बावजूद, राजस्थान की महिला उद्यमी ऋण, सब्सिडी और प्रशिक्षण की पेशकश करने वाली सरकारी पहलों से आगे बढ़ रही हैं। यह समर्थन राजस्थान के पुरुष–प्रधान समाज में महत्वपूर्ण है, जो महिलाओं को वित्तीय सफलता प्राप्त करने, नवाचार को बढ़ावा देने और उनकी आत्म–पहचान और संतुष्टि को बढ़ाने में सक्षम बनाता है। द्वितीयक डेटा पर आधारित अध्ययन, उद्यमशीलता क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण और भागीदारी में सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

डेटा विश्लेषणः–

तालिका संख्या 1 . कोविड–19 से पहले और बाद में महिला उद्यमियों का प्रतिशत वितरण

उद्यम श्रेणी	कोविड–19 से पहले की (प्रतिशत)	कोविड–19 के बाद (प्रतिशत)	कुल (प्रतिशत)
सूक्ष्म	39.79	60.21	100.00
लघु	72.22	27.78	100.00
मध्यम	56.47	43.53	100.00

स्रोतः– एमएसएमई राजस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2020–21 और 2021–22

आंकड़ों से पता चलता है कि सूक्ष्म उद्यमों पर कोविड–19 का प्रभाव लाभकारी रहा है, जैसा कि कोविड–19 से पहले 39.79 प्रतिशत से कोविड–19 के बाद 60.21 प्रतिशत तक उनकी वृद्धि से स्पष्ट है। इसके विपरीत, छोटे और मध्यम कुल उद्यमों में मंदी का अनुभव हुआ, जिसमें छोटे उद्यम 27.78 प्रतिशत और मध्यम उद्यम 43.53 प्रतिशत तक गिर गए। इस प्रवृत्ति को अलग–अलग निवेश आवश्यकताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता हैय सूक्ष्म उद्यमों को आमतौर पर छोटे या मध्यम उद्यमों की तुलना में कम पूंजी की आवश्यकता होती है। नतीजतन, कोविड–19 के दौरान, सीमित पूंजी उपलब्धता के कारण, महिला उद्यमियों ने मुख्य रूप से सूक्ष्म उद्यम शुरू करने का विकल्प चुना है। साथ ही, सूक्ष्म उद्यमों में वृद्धि के पीछे एक कारण प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की सफलता है। पीएमईजीपी के तहत महिला लाभार्थियों को नए सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए उच्च सब्सिडी प्रदान की जाती है।

तालिका संख्या 2.पीएमईजीपी के अंतर्गत महिला उद्यमियों (लाभार्थियों) की संख्या

क्रम संख्या	वर्ष	महिला उद्यमी (लाभार्थी) पीएमईजीपी के तहत
1	2017.18	15669
2	2018.19	25434
3	2019.20	24720
4	2020.21	27285
5	2021.22	39192
6	2022–23 (31.12.2022 तक)	18288
7	**कुल**	**259339**

स्रोतः– एमएसएमई वार्षिक रिपोर्ट–2023

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

रेखाचित्र 2:– पीएमईजीपी के तहत महिला उद्यमी (लाभार्थी)

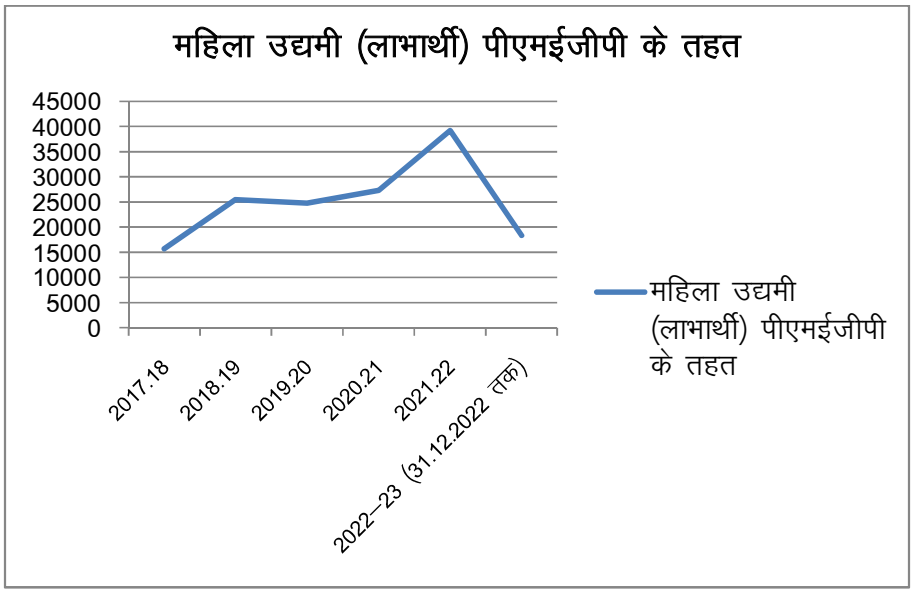

ऊपर दिए गए रेखाचित्र से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि पीएमईजीपी योजना में महिला लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। और इसी वजह से छोटे और मध्यम आकार के उद्यम की तुलना में सूक्ष्म उद्यम में वृद्धि हुई है।

तालिका संख्या 3. कोविड–19 से पहले और बाद में पुरुष एवं महिला मालिकों द्वारा उद्यम का प्रतिशत वितरण

उद्यम श्रेणी	कोविड–19 से पहले (प्रतिशत)			कोविड–19 के बाद(प्रतिशत)		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
सूक्ष्म	78.11	21.89	100	81.96	18.04	100
लघु	82.84	17.16	100	89.48	10.52	100
मध्यम	88.72	11.28	100	94.22	05.78	100

स्रोत:– अनडम, 2019 और 2022

कोविड–19 महामारी से पहले और बाद में तीन अलग–अलग व्यावसायिक आकारों सूक्ष्म, लघु और मध्यम, सूक्ष्म श्रेणी में पुरुष और महिला प्रतिनिधित्व के वितरण को दर्शाता है, पुरुष प्रतिनिधित्व 78.11 प्रतिशत से कोविड–19 महामारी के बाद में बढ़कर 81. 96 प्रतिशत हो गया, जबकि महिला प्रतिनिधित्व 21.89 प्रतिशत से घटकर 18.04 प्रतिशत हो गया। कोविड–19 महामारी के बाद में लघु श्रेणी में, पुरुष प्रतिनिधित्व में 82.84 प्रतिशत से 89.48 प्रतिशत तक अधिक उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, और महिला प्रतिनिधित्व 17.16 प्रतिशत से घटकर 10.52प्रतिशत हो गया। मध्यम श्रेणी में सबसे बड़ा बदलाव देखा गया, जिसमें पुरुष प्रतिनिधित्व 88.72 प्रतिशत से बढ़कर 94.22 प्रतिशत हो गया, और महिला प्रतिनिधित्व 11.28 प्रतिशत से घटकर 5.78 प्रतिशत हो गया। इन परिवर्तनों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कोविड–19 महामारी का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा है, जिसने व्यवसायों और रोजगार दरों को प्रभावित किया है। पुरुष प्रतिनिधित्व में वृद्धि के कुछ संभावित कारणों में शामिल हो सकते हैं, महामारी ने महिलाओं के उच्च प्रतिनिधित्व वाले उद्योगों को असमान रूप से प्रभावित किया हो सकता है, जिससे महिलाओं के बीच अधिक नौकरी का नुकसान हो सकता है। महामारी के दौरान स्कूलों और चाइल्डकैअर सुविधाओं के बंद होने

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

के कारण, महिलाओं ने अपने काम के घंटे कम कर दिए होंगे या बच्चों और परिवार के सदस्यों की देखभाल के लिए पूरी तरह से कार्यबल छोड़ दिया होगा। महामारी से कम प्रभावित क्षेत्रों या जहां दूरस्थ कार्य अधिक व्यवहार्य था, पुरुषों के अपने रोजगार को बनाए रखने या पुनर्प्राप्त करने की अधिक संभावना हो सकती है। श्रम बाजार में लैंगिक असमानताएं महामारी से बढ़ गई हो सकती हैं, जिससे महिलाओं के लिए कार्यबल में फिर से प्रवेश करने या पुनर्प्राप्ति चरण के दौरान अपने करियर में प्रगति करने की बाधाओं को बढ़ा दिया गया है।

परिणाम

- महिला उद्यमियों की संख्या सूक्ष्म उद्यम शुरू करना पसंद करती है।
- कुल मिलाकर महामारी का एमएसएमई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है क्योंकि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के अलावा अन्य में गिरावट आई है।
- एमएसएमई में अभी भी पुरुष उद्यमियों का वर्चस्व है और कोविड–19 के बाद पुरुष और महिला उद्यमियों के बीच का अनुपात और बढ़ गया है।

निष्कर्ष

कोविड–19 महामारी ने महिला उद्यमियों की स्थिति पर गहरा प्रभाव डाला है, जिससे चुनौतियाँ और अवसर दोनों सामने आए हैं। एक ओर, महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को व्यवधानों का सामना करना पड़ा, जिनमें से कई आर्थिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों और बाजार में उतार–चढ़ाव से जूझ रहे थे। महामारी ने मौजूदा लैंगिक असमानताओं को और बढ़ा दिया, जिससे महिला उद्यमियों के लिए वित्त और संसाधनों तक पहुँच प्रभावित हुई। हालाँकि, चुनौतियों के बीच, इस संकट ने महिला उद्यमी समुदाय के भीतर लचीलापन और अनुकूलनशीलता भी उजागर की। कई महिलाओं ने अपने व्यवसायों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए डिजिटल परिवर्तन को अपनाया। दूरस्थ कार्य और वर्चुअल प्लेटफॉर्म ने भौगोलिक बाधाओं को तोड़ते हुए नेटवर्किंग और सहयोग के नए रास्ते प्रदान किए। जैसे–जैसे हम आगे बढ़ते हैं, महिला उद्यमियों को बाधित करने वाली प्रणालीगत बाधाओं को दूर करना और उद्यमिता में समावेशिता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाली नीतियों को लागू करना महत्वपूर्ण है। महामारी से सीखे गए सबक महिला उद्यमियों के लिए अधिक सहायक और न्यायसंगत वातावरण को बढ़ावा देने, उन्हें चुनौतियों से निपटने और आर्थिक सुधार और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बनाने के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकते हैं।

संदर्भ

1. अब्राहम, आर., बेसल, ए., और सीजर, एस. (2021), कोविड–19 महामारी के दौरान रोजगार प्रक्षेप पर नजर रखना, राजस्थान पैनल डेटा से साक्ष्य। वर्किंग पेपर 35. सेंटर फॉर सस्टेनेबल एम्प्लॉयमेंट, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी।
2. निराश, ए. (2020), कोविड–19 महामारी और लॉकडाउनः राजस्थान में रोजगार और घरेलू काम में लैंगिक अंतर पर पहला प्रभाव, वर्किंग पेपर, आर्टिकल 30, अशोका यूनिवर्सिटी।
3. मारिया डॉस, डी.एस., केनोशा, ए.एस., और एलेक्स, डी. के. (2020), दीन डिगुल जिले में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में महिला उद्यमियों की भूमिका, पाल आर्क की मिस्र के पुरातत्व की पत्रिका/मिस्र विज्ञान, 17(10), आर्टिकल 10।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

4. कुमार, एस., और सिंह, एन. (2021), कोविड–19 के बीच महिलाओं के लिए उद्यमशीलता की संभावनाएँ और चुनौतिया, फुलब्राइट रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी, 1(2), 205–226।
5. रेटिना, ए., और साल्विया, टी., (2022), राजस्थान में महिला उद्यमियों पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव की खोज, कोविड–19 महामारी के बाद राजस्थान समाज में महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों और समस्याओं पर आईसीएसएसआर प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।
6. वेंडेटा, जयवॉक, ए., और श्रीवास्तव, डॉ. आर. (2022), पूर्वी यूपी के संदर्भ में महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने में एमएसएमई की भूमिका, बहुविषयक क्षेत्र में अभिनव अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 4(5),346–351।
7. बैन (2019) राजस्थान में महिला उद्यमिताः उसके साथ अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, रिपोर्ट।
8. मिंट (2020) कोविड–19 का महिलाओं के नेतृत्व वाले माइक्रो बिजनेस पर प्रभाव सामाजिक–आर्थिक अंतर को बढ़ाता है, रिपोर्ट, 29 नवंबर।
9. यूएन वीमेन (2021) आपके सवालों के जवाबः राजस्थान में महिलाएं और कोविड–19।